सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

Accredited Grade 'A' by NAAC
[CGPA 3.05 – Third Cycle]

कला–संकाय

हिन्दी पाठ्यक्रम

(जून, २०१९ से अमलीकृत)

- पंचम् एवं छष्ठ सत्र अनिवार्य हिन्दी
- पंचम् एवं छष्ठ सत्र मुख्य हिन्दी

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

क्रम	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक/ मौखिकी अंक	कुल अंक	पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम							
	स्नातक अनुस्नातक अनुपारंगत विद्यावाचस्पति		अनिवार्य मुख्य गौण–१ गौण–२								वर्ष	विद्याशाखा	विषय	पाठ्यक्रम ईकाई	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	विकल्प
१	स्नातक	पंचम्	अनिवार्य	आधुनिक हिन्दी उपन्यास : निर्मला एवं व्याकरण	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०४	०१	०५	००	०१
२	स्नातक	पंचम्	मुख्य (पेपर–११)	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल	११	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०५	११	०१
३	स्नातक	पंचम्	मुख्य (पेपर–१२)	साहित्य सिद्धांत – १	१२	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१२	०१
४	स्नातक	पंचम्	मुख्य (पेपर–१३)	हिन्दी भाषा का स्वरूप एवं विकास	१३	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१३	०१
				अथवा														
५	स्नातक	पंचम्	मुख्य (पेपर–१३)	भाषा शिक्षण – १	१३	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१३	०२
६	स्नातक	पंचम्	मुख्य (पेपर–१४)	आधुनिक हिन्दी नाटक : अंधेर नगरी, रक्षाबंधन	१४	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१४	०१
				अथवा														
७	स्नातक	पंचम्	मुख्य (पेपर–१४)	हिन्दी के चरित्र प्रधान नाटक : शिवाजी, ध्रुवस्वामिनी	१४	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१४	०२
८	स्नातक	पंचम्	मुख्य (पेपर–१५)	प्राचीन हिन्दी काव्य – १ : विद्यापति पदावली : परमाल रासो	१५	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१५	०१
				अथवा														
९	स्नातक	पंचम्	मुख्य (पेपर–१५)	प्राचीन हिन्दी काव्य – २ बेलि क्रिसन रूकमणी री, ढोला मारू रा दूहा	१५	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१५	०२
१०	स्नातक	पंचम्	मुख्य (पेपर–१६)	आधुनिक हिन्दी निबंध साहित्य : निबंध मंजूषा	१६	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१६	०१
				अथवा														
११	स्नातक	पंचम्	मुख्य (पेपर–१६)	पर्यावरण एवं प्रदूषण	१६	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१६	०२
१२	स्नातक	षष्ठ	अनिवार्य	आधुनिक हिन्दी काव्य : रश्मिरथी एवं व्याकरण	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०४	०१	०६	००	०१
१३	स्नातक	षष्ठ	मुख्य (पेपर–१७)	हिन्दी साहित्य का इतिहास : विविध विधाओं का उद्भव एवं विकास	१७	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०६	१७	०१
१४	स्नातक	षष्ठ	मुख्य (पेपर–१८)	साहित्य सिद्धांत – २	१८	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०६	१८	०१

१५	स्नातक	षष्ठ	मुख्य (पेपर-१९)	हिन्दी भाषा का व्याकरण	१९	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०६	१९	०१
अथवा																		
१६	स्नातक	षष्ठ	मुख्य (पेपर-१९)	भाषा शिक्षण - २	१९	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०६	१९	०२
१७	स्नातक	षष्ठ	मुख्य (पेपर-२०)	आधुनिक हिन्दी नाटक : कबीरा खड़ा बजार में, अंधायुग	२०	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२०	०१
अथवा																		
१८	स्नातक	षष्ठ	मुख्य (पेपर-२०)	हिन्दी के चरित्र प्रधान नाटक : चन्द्रगुप्त, अशोक	२०	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२०	०२
१९	स्नातक	षष्ठ	मुख्य (पेपर-२१)	मध्यकालीन हिन्दी काव्य भाग १ : कबीर, मीरांबाई की पदावली	२१	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२१	०१
अथवा																		
२०	स्नातक	षष्ठ	मुख्य (पेपर-२१)	मध्यकालीन हिन्दी काव्य भाग २ : विनय पत्रिका, पद्मावतीसार	२१	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२१	०२
२१	स्नातक	षष्ठ	मुख्य (पेपर-२२)	हिन्दी अन्य गद्य विधाएँ : पथ के साथी, स्मृति की रेखाएँ	२२	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२२	०१
अथवा																		
२२	स्नातक	षष्ठ	मुख्य (पेपर-२२)	भारतीय संविधान : राजनीति एवं कानून	२२	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२२	०२

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	अनिवार्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी उपन्यास : निर्मला एवं व्याकरण								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०४	०१	०५	००	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण हिन्दी के उपन्यास सम्राट प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जानें ।
- छात्रगण प्रेमचंद की कलासृजन प्रतिभा का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण पाठ्यक्रम कृति के माध्यम से बाह्याडम्बर–वृति को त्याग करें ।
- 'गबन' उपन्यास की कथावस्तु से छात्रों में 'कर्म ही सर्वश्रेष्ठ है' सिद्धांत स्थापित होगा ।
- छात्रगण 'सत्यमेव जयते' सूत्र की प्रासंगिकता समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	प्रेमचंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'निर्मला' की कथावस्तु				
		उपन्यास कला के आधार पर 'निर्मला' का मूल्यांकन				
		'निर्मला' उपन्यास के चरित्रों का चरित्रांकन				
		'निर्मला' उपन्यास की संवाद–योजना				
	ईकाई–२	'निर्मला' उपन्यास का परिवेश				
		'निर्मला' समस्यामूलक उपन्यास के रूप में मूल्याकंन				
		'निर्मला' उपन्यास के गौण पात्र				
		'निर्मला' उपन्यास में आदर्श एवं यथार्थ का वर्णन				
		'निर्मला' उपन्यास की गौण कथाओं का मूल्यांकन				
	ईकाई–३	'निर्मला' की उपन्यास में व्यक्त स्त्री पुरुष सबंध				
		'निर्मला' उपन्यास में व्यक्त पात्रों की मन:स्थिति				
		'निर्मला' उपन्यास में निरूपित सामाजिक व्यवस्था				
		'निर्मला' उपन्यास में निरूपित महाजनी सभ्यता				
		'निर्मला' उपन्यास की प्रासंगिकता				
	ईकाई–४	व्यावसायिक पत्र				
		अर्थ विस्तार				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'निर्मला' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'निर्मला' उपन्यास का प्रारंभ – 'निर्मला' उपन्यास का उद्देश्य – 'निर्मला' उपन्यास में व्यक्त विभिन्न भ्रष्टाचार – 'निर्मला' उपन्यास का अन्त – निर्मला		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : निर्मला
संपादक : प्रेमचंद
प्राप्ति स्थान :

संदर्भ ग्रंथ :

१. प्रेमचंदयुगीन भारतीय समाज : डॉ. इन्द्रमोहन सिन्हा – बिहारी हिन्दीग्रंथ अकादमी कदमकुआँ, पटना – ३
२. प्रेमचंद एक विवेचन : डॉ. इन्द्रमोहन सिन्हा – राजकमल प्रकाशन, जैन बाजार, दिल्ली
३. प्रेमचंद का कथा संसार : डॉ. नरेन्द्रमोहन – सरस्वती विहार, जी. टी. रोड, शाहदरा, दिल्ली–३२
४. प्रेमचंद जीवनकला और कृतित्व : हंसराज रहबर – रामलालपुरी संचालक आत्माराम एण्ड सन्स ,रमीशी गेट, दिल्ली – ६
५. प्रेमचंद के उपन्यासों में नायक की परिकल्पना : डॉ. प्रतिभा कोटक – बालवाटिका मणिनगर, अहमदाबाद – ८
६. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यासों में पुरुषणपात्र : दुर्गेशनंदीनी प्रसाद – गीता प्रकाशन, हैदराबाद
७. हिन्दी उपन्यास : उद्‌भव और विकास : डॉ. सुरेश सिन्हा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
८. हिन्दी उपन्यास में कथाशिल्प का विकास : डॉ. प्रतापनारायण टंडन – हिन्दी साहित्य भंडार, गंगाप्रसाद रोड, लखनउ
९. हिन्दी उपन्यास परंपरा और प्रयोग : बिन्धेश्वरीप्रसाद मिश्र – अमर प्रकाशन, पटना – ६
१०. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
११. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१२. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण– प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
१३. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
१४. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
१५. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी – साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
१६. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
१७. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	११								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०५	११	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण आधुनिक काल की पुन: जागरण मन:स्थिति को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण द्विवेदी युगीन सुधारवादी आंदोलन के बारे में विस्तार से समझे ।
- छात्र छायावाद के माध्यम से प्राकृतिक, अलौकिक रहस्यानुभूति महसूस करें ।
- छात्रगण राष्ट्रीय काव्यधारा का पठन करके एकता, बंधुत्व एवं राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत होंगे ।
- छात्र प्रयोगवादी कविता के माध्यम से जन-साधारण की भावना को समझेंगे ।
- छात्रगण प्रयोगवादी कविता के माध्यम से वर्ग संघर्ष की भावना को मिटाकर 'हम सब एक है' संदेश को सार्थक करेंगे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	आधुनिक काल की परिस्थितियाँ	. इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		आधुनिक काल की साहित्यिक प्रवृतियाँ				
		आधुनिक काल का नामकरण				
		आधुनिक काल-काल सीमा निर्धारण एवं उपविभाजन की समस्या				
		आधुनिक काल 'गद्य काल' के रूप में				
	ईकाई-२	भारतेन्दु युग (पुन:जागरण काल) : प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ				
		भारतेन्दु युग की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ				
		द्विवेदी युग (जागरण, सुधार काल) : प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ				
		द्विवेदी युग की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ				
		छायावाद युग : प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ				
	ईकाई-३	छायावाद की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ				
		हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा : प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ				
		हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		हिन्दी की हालावादी काव्यधारा - प्रमुख कवि की रचनाएँ				
		हिन्दी की हालावादी काव्यधारा की प्रमुख साहित्यिक प्रवृतियाँ				
	ईकाई-४	प्रगतिवाद : प्रमुखकवि एवं उनकी रचनाएँ				
		प्रगतिवादी काव्यधारा की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		प्रयोगवादी काव्यधारा : प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ				
		प्रयोगवादी काव्यधारा की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		नई कविता के प्रमुख कवि, उनकी रचनाएँ एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – साठोत्तरी हिन्दी कविता – खड़ी बोली गद्य निर्माता – रहस्यवाद – हिन्दी गीति काव्य – द्विवेदी युगीन प्रबन्ध काव्य – रहस्यवाद की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य का इतिहास
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : वासुकि कृपा ओफसेट, राजकोट

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (काव्य खण्ड), विश्वम्भर 'मानव', लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
२. प्रगतिवादी काव्य साहित्य : डॉ. कृष्णलाल 'हंस' मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नई दिल्ली
४. हिन्दी और गुजराती कविता में राष्ट्रीय अस्मिता : एक तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. एस. पी. शर्मा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक
५. हरिवंशराय बच्चन की साहित्य साधना, पुष्पा भारती – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
६. आधुनिक हिन्दी काव्य, डॉ. भगीरथ मिश्र – डॉ. बलभद्र तिवारी – मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
७. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
८. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
९. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१०. नयी कविता का आत्मसंघर्ष : गजानन माधव मुक्ति बोध – राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद
११. अज्ञेय : सृजन और संघर्ष : राजकमलराय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१२. समकालीन कवि और काव्य : कल्याणचन्द्र – चिन्तन प्रकाशन, कानपुर
१३. लंबी कविताओं का रचना विधान : सं. नरेन्द्रमोहन – दि. मैकमिलकन कंपनी ऑफ इन्डिया लिमिटेड, दिल्ली
१४. कवि धर्म, डॉ. कुंवर चन्द्रप्रकाश सिंह – प्रतिभा प्रतिष्ठापन, नयी दिल्ली
१५. साठोत्तरी कविता : विद्रोही प्रतिमान : रत्नाकुमार पाण्डेय – अनंग प्रकाशन, दिल्ली
१६. हिन्दी के निर्माण : कुमुद शर्मा – भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
१७. प्रमुख खंड काव्यों में आधुनिकता बोध : डॉ. आलोक मिश्र – विकास प्रकाशन, कानपुर
१८. कविता की जमीन और जमीन की कविता : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१९. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. बी. के. कलासवा – भगवती प्रकाशन, राजकोट
२०. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल अबतक : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१२								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	साहित्य सिद्धांत – १								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१२	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण प्राचीन एवं नवीन साहित्य-अंगों का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण साहित्य स्वरूपों को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों को जानें ।
- छात्रों में काव्य-रूपों की जानकारी से साहित्यिक रागात्मक चेतना परिष्कार होगी ।
- छात्रगण साहित्य-स्वरूपों की आपसी तुलना करें ।
- छात्रों में साहित्यिक स्वरूपों की जानकारी से सृजनात्मक प्रतिभा का विकास होगा ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	साहित्य : परिभाषा एवं स्वरूप	. इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		साहित्य के विभिन्न तत्त्व				
		साहित्य और समाज				
		साहित्य और विज्ञान				
	ईकाई-२	साहित्य और शैली				
		काव्य लक्षण				
		काव्य हेतू				
		काव्य प्रयोजन				
	ईकाई-३	काव्य के प्रकार				
		शब्द शक्ति				
		विभिन्न काव्य संप्रदायों का संक्षिप्त परिचय				
	ईकाई-४	छंद				
		मात्रिक : शिखरिणी, इन्द्रव्रजा, मन्दाक्रान्ता, वसंततिलका				
		अलंकार : शब्दालंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति अर्थालंकार : उपमा, रूपक, संदेह, अतिशयोक्ति				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – काव्यगुण – साधारणीकरण – श्रव्य काव्य – महाकाव्य – काव्य दोष – दृश्य काव्य – प्रबंध काव्य – खण्डकाव्य		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. साहित्य-विवेचन : क्षेमचन्द्र, 'सुमन', योगेन्द्र कुमार मल्लिक – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
२. काव्य के रूप : गुलाबराय – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
३. काव्य गुणों का शास्त्रीय विवेचन : डॉ. शोभाकान्त मिश्र – बिहारी हिन्दी ग्रंथ, अकादमी, पटना
४. काव्यांगिनी : प्रेम प्रकाश गौतम – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
५. काव्य तत्व-विमर्श : डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी – कोणार्क प्रकाशन, दिल्ली
६. काव्य-मनीषा : डॉ. भगीरथ मिश्र – हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनउ
७. साहित्यकार की सामाजिक चेतना : डॉ. शैलेश के. मेहता – वासुकि प्रकाशन, राजकोट
८. अवगाहन : डॉ. गिरीशचन्द्र जे. त्रिवेदी – प्रणव प्रकाशन, राजकोट
९. कविता की जमीन और जमीन की कविता : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१०. साहित्य का श्रेय और प्रेय : जैनेन्द्रकुमार – पूर्वोदय प्रकाशन, नयी दिल्ली
११. कविता के नए प्रतिमान : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१२. काव्य का वैष्णव व्यक्तित्व : श्री नरेश मेहता – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
१३. विद्यादर्श : सं. डॉ. कपील त्रिवेदी : डॉ. बी. जे. पटेल – श्रीमती जे. सी. धानक महाविद्यालय, बगसरा
१४. भारतीय काव्य-शास्त्र के सिद्धांत : डॉ. सुरेश अग्रवाल – डॉ. जगदीश शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१५. साहित्यिक निबंध : डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१६. बृहत् भारतीय तथा पाश्चात्य काव्य-शास्त्र : डॉ. सुरेश अग्रवाल – डॉ. जगदीश शर्मा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१७. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. कृष्णदेव शर्मा – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
१८. साहित्य के सिद्धांत : डॉ. कैलाश उपाध्याय – साधना प्रकाशन, कानपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१३								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी भाषा का स्वरूप एवं विकास								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१३	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- पाठ्यक्रम से संबंधित छात्र हिन्दी भाषा की व्युत्पत्ति के बारे में जानें ।
- छात्रगण 'हिन्दी' शब्द का व्युत्पत्तिपरक इतिहास समझें ।
- छात्रगण संसार की भाषाओं का वर्गीकरण विस्तार से समझें ।
- छात्रगणण अपभ्रंश, पुरानी हिन्दी, डिंगल-पिंगल के आपसी भेद को समझें ।
- छात्रगण राजभाषा के संसदीय अनुच्छेद को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण खड़ीबोली (राष्ट्रभाषा) के विकास-क्रम को विस्तार से जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	भाषा का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		भाषा और बोली का अंतर				
		भारोपीय परिवार				
	ईकाई-२	**भारतीय आर्य भाषाएँ : उद्‌भव एवं विकास :** – प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ : वैदिक एवं लौकिक – मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ : अपभ्रंश, अवहट्‌ठ, प्राकृत, पुरानी हिन्दी, डिंगल-पिंगल – आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : वर्गीकरण				
	ईकाई-३	हिन्दी भाषा और उसकी बोलियाँ				
		हिन्दी शब्द : नामकरण				
		हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप				
		हिन्दी शब्द भण्डार या परम्परा				
		हिन्दी भाषा का मानकीकरण और उनकी विशेषताएँ				
	ईकाई-४	देवनागरी लिपि का उद्‌भव एवं विकास				
		देवनागरी लिपि-नामकरण और उनकी विशेषताएँ				
		देवनागरी लिपि का मानकीकरण एवं आधुनिकीकरण				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – हिन्दी भाषा क्षेत्र – स्वराघात – प्रयोजनमूलक हिन्दी – खडीबोली हिन्दी – भाषा और विभाषा		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. आधुनिक भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी – भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
२. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन : डॉ. श्री वास्तव
३. हिन्दी भाषा का स्वरूप एवं विकास : भालोडिया मितल – पेरेडाईझ पब्लिशर्स, सतलंज पथ, तारानगर–ए, झोतवारा, जयपुर
४. मानक हिन्दी : स्वरूप और संरचना : डॉ. रामप्रकाश – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
५. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ. भोलानाथ तिवारी – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
६. हिन्दी और उसकी उपभाषाएँ : डॉ. वमलेश कॉति शर्मा – भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
७. हिंदी भाषा की सामाजिक संरचना : डॉ. भोलानाथ तिवारी – साहित्य सहकार, दिल्ली
८. हिन्दी–भाषा : रूप–विकास : डॉ. सरनामसिंह शर्मा 'अरूण' – चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
९. हिन्दी शब्दों की विकास कथा : डॉ. देवेन्द्रकुमार जैन – नीलाम प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. भाषा विज्ञान की भूमिका : आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
११. हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि : डॉ. देवेन्द्रप्रसाद सिंह –जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१२. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा : रामछबीला त्रिपाठी – किताब महल, इलाहाबाद–१
१३. हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम : डॉ. राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१३ (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	भाषा शिक्षण – १								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१३	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण भाषा–शिक्षण के परिवर्तन को जानें ।
- छात्रगण भाषा शिक्षण की नई विधियों, प्रशासन और विकास के बारे में जानें ।
- छात्रगण भाषा संप्रेक्षण की नवीन प्रणालियों को जानें ।
- छात्रगण भाषा शिक्षण के नव्य मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों को जानें ।
- छात्रगण भाषा की संरचना और उसकी आंतरिक प्रकृति के बारे में जानें ।
- छात्रगण में प्रस्तुत पाठ्यक्रम से संप्रेक्षण एवं वाक्चातुर्य का विकास होगा ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	**भाषा, भाषा प्रगोग और भाषिक विकल्पन**	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		मानव भाषा के अभिकल्प अभिलक्षण				
		मानव भाषा और मानवेतर भाषा				
		मानव भाषा और मानवेतर भाषा में अन्तर				
		भाषा शिक्षण के व्यापक संदर्भ				
	ईकाई–२	**भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय, सामाजिक एवं शैक्षिक संदर्भ**				
		भाषा, व्यक्ति और समाज				
		सामाजिक स्थिति				
		शैक्षिक स्थिति				
		भाषा नियोजन और शैक्षिक नीति				
		पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम				
	ईकाई–३	**भाषा शिक्षण : प्रयोजन और सिद्धि**				
		भाषा और भाषा प्रयोक्ता				
		मातृभाषा				
		अन्य भाषा : विदेशी भाषा और द्वितीय भाषा				
		द्विभाषिक शिक्षा				
		द्वितीय भाषा और द्विभाषिक शिक्षा का अन्तर				
		भाषा शिक्षण का मनोवैज्ञानिक संदर्भ				
		ज्ञानार्जन की प्रकृति				
		भाषा सर्जन संबंधी विभिन्न दृष्टिकोण				
		साहचर्यवादी दृष्टिकोण – क्लासिक उपधारा, पावलोव और आसगुड का मध्यस्थता सिद्धांत				
		स्किनर का साधनापरक अनुक्रिया सिद्धांत				
		सत्ववादी दृष्टिकोण – चॉम्स्की और लेनेबर्ग के सिद्धांत				
		प्रक्रियापरक हासियें – पिआजे का विकासवाद				
		विभिन्न दृष्टिकोण – तुलनीयता के आधार पर भाषा अजंन और भाषा अभिगम				

	ईकाई-३	**भाषा शिक्षण का व्याकरणिक संदर्भ**				
		भाषा अध्ययन के तीन संदर्भ – सिद्धांत, विवरण और शिक्षण				
		व्याकरण के तीन रूप – सार्वभौम, विवरणात्मक और शैक्षिक				
		सार्वभौम व्याकरण के तीन तथ्य : अंतदृष्टि और दृष्टिकोण, प्रणाली, निरूपक भाषा				
		विवरणात्मक व्याकरण के तीन तथ्य : अनुप्रयोग, विश्लेषणात्मक पद्धति, संदर्भपरकता				
	ईकाई-४	**भाषा शिक्षण : विधि, प्रणाली और प्रणाली तंत्र**				
		भाषा शिक्षण का सांस्कृतिक, साहित्यिक और भाषावैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य				
		भाषा शिक्षण की विधियाँ-प्रत्यक्ष विधि, व्याकरण विधि, अनुवाद विधि, तुलनात्मक विधि, मिश्र विधि				
		भाषा शिक्षण की दो मुख्य धाराएँ – व्याकरण अनुवाद विधि, मौखिक वार्तालाप विधि				
		भाषा शिक्षण विधि की भाषा-वैज्ञानिक और शैक्षिक मान्यताएँ				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – भाषा-शिक्षण की दृश्य-श्राव्य विधियाँ – शिक्षार्थी का अध्ययन व्याकरण – भाषा मूल्यांकन की संकल्पना – भाषा शिक्षण का लक्ष्य – भाषा शिक्षण की परम्परागत विधि – भाषा-शिक्षण और लिपि		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : भाषा शिक्षण
संपादक : रवीन्द्र श्रीवास्तव
प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी भाषा विज्ञान : डॉ. डी.डी. शर्मा – पल्लव प्रकाशन, मालीवाड, दिल्ली
२. आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. राजमणि शर्मा – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
३. भाषा विज्ञान और हिन्दी : डॉ. के. डी. सावली – तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
४. हिन्दी भाषा का विकासात्मक अध्ययन – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
५. हिन्दी विकास और संभावनाएँ : डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया – भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
६. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना
७. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण : डॉ. हरदेव बाहरी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
८. हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरीलाल वाजपेयी – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
९. हिन्दी व्याकरण : पं. कामताप्रसाद गुरु – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
१०. साहित्य विवेचन : क्षेमचन्द्र 'सुमन', योगन्द्रकुमार मलिक – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
११. रसछन्दालंकार : पं. धर्मनारायण पाण्डेय – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१२. हिन्दी भाषा का इतिहास : प्रो. ओमप्रकाश तरूण : रीगल बुक डिपो, दिल्ली
१३. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि : डॉ. भोलानाथ तिवारी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१४. वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिन्दी : डॉ. सरनामसिंह शर्मा 'अरूण' – चिन्मय प्रकाशन, जयपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१४								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी नाटक : अंधेर नगरी, रक्षाबंधन								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१४	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्र हिन्दी नाट्य-परम्परा को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण हिन्दी नाटक की विकास प्रक्रिया में भारतेन्दु के योगदान को जानें ।
- छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से तत्कालीन राजनैतिक स्थिति को जानें ।
- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की राष्ट्रीय भावना को जानें ।
- छात्रगगण हिन्दी नाट्य विकास में गीति नाट्य स्थान स्पष्ट करें ।
- छात्रगण धर्मवीर भारती के व्यक्तित्व के बारे में जानें ।
- छात्रगण महाभारत की दर्दनाक, खौफनाक युद्ध विभिषिका को जानें ।
- छात्रगण 'अन्धायुग' प्रतिकात्मकता को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी नाट्य साहित्य और भारतेन्दु हरिश्चन्द्र				
		'अन्धेर नगरी' नाटक की कथावस्तु				
		नाट्यकला के आधार पर 'अन्धेर नगरी' का मूल्यांकन				
	ईकाई-२	'अन्धेर नगरी' नाटक के पात्रों का चरित्रांकन				
		'अन्धेर नगरी' नाटक की रंग-परीकल्पना				
		'अन्धेर नगरी' नाटक में युग-बोध				
		'अन्धेर नगरी' नाटक में व्यंग्यात्मक				
	ईकाई-३	हरिकृष्ण प्रेमी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'रक्षाबन्धन' नाटक का कथानक				
		नाटक तत्वों के आधार पर 'रक्षाबन्धन' का मूल्यांकन				
		'रक्षाबन्धन' नाटक के पात्रों का चरित्रांकन				
		'रक्षाबन्धन' नाटक में व्यक्त राष्ट्रीयता				
	ईकाई-४	'रक्षाबन्धन' नाटक की आधुनिकता				
		'रक्षाबन्धन' नाटक में व्यक्त समस्याएँ				
		'रक्षाबन्धन' नाटक में व्यक्त सांस्कृतिकता				
		'रक्षाबन्धन' नाटक की सम-सामायिकता				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'अन्धेर नगरी' नाटक के शीर्षक की सार्थकता – 'रक्षाबन्धन' नाटक की संवाद–योजना – 'रक्षाबन्धन' नाटक की रंगमंचीयता – 'अन्धेर नगरी' नाटक की संवाद–योजना – 'रक्षाबन्धन' नाटक का परिवेश – 'रक्षाबन्धन' नाटक में संकलन–त्रय – 'अन्धेर नगरी' नाटक का उद्देश्य – 'रक्षाबन्धन' नाटक केश शीर्षक की सार्थकता – 'रक्षाबन्धन' नाटक में हिन्दु–मुस्लिम एकता – 'अन्धेर नगरी' नाटक में संकलन–त्रय – 'रक्षाबन्धन' नाटक का उद्देश्य – 'रक्षाबन्धन' नाटक का अन्त		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : अन्धेर नगरी
संपादक : भारतेन्दु हरिश्चंन्द्र
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्य पुस्तक : रक्षाबन्धन
संपादक : हरिकृष्ण प्रेमी
प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. साठोत्तरी हिन्दी के प्रमुख नाटकों में राजनीतिक व्यंग्य : डॉ. मेरगसिंह यादव – मिन्डाश पब्लिकेशन, उरइ, उत्तरप्रदेश
२. प्रसादोत्तर नाट्य–साहित्य : डॉ. विजय बापट – हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
३. भारतेन्दु–युगीन नाटक : डॉ. सुशीला धीर – हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
४. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानावत, अनुपम प्रकाशन, जयपुर
५. आधुनिक हिन्दी नाटक : डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिर्शींग हाउस, दिल्ली
६. हिन्दी नाटक और नाटककार : डॉ. सुरेशचन्द्र शुक्ल – कु. नीलम मसन्द, पुस्तक संस्थान, कानपुर
७. आधुनिक हिन्दी नाटक : एक यात्रा दशक : नरनारायण राय – भारती भाषा प्रकाशन, दिल्ली
८. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : रामविलास शर्मा – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
९. भारतेन्दु और नर्मद का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. अरविन्दकुमार देसाई – सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा
१०. हिन्दी के रंगमंचीय नाटकों का शिल्प विधान : डॉ. चन्द्रसेन नावाणी – हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद
११. हिन्दी के नाटक शिल्पी : डॉ. शान्ति मलिक – नेशनल पब्लिर्शींग हाउस, दिल्ली
१२. हिन्दी नाटक पर पाश्चात्य प्रभाव : विश्वनाथ मिश्र – लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली
१३. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ : डॉ. शिवकुमार शर्मा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१४. अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, सं. ब्रजकुमार मित्तल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१५. अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, सं. रमेश गुप्ता – कमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१४ (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी के चरित्र प्रधान नाटक : शिवाजी, ध्रुवस्वामिनी								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१४	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रगण शिवाजी के चरित्र के प्रति आकर्षित हो ।
- छात्रगण भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की नींव को जानें ।
- छात्रों में संघ शक्ति का निर्माण हो ।
- छात्रगण भारतीय गुप्त राजाओं की वंशावली को जानें ।
- छात्रों में राष्ट्रीय भावना परिष्कृत हो ।
- शिवाजी के चरित्र निर्माण के माध्यम से छात्रो में भारतीय आदर्शों का निर्माण हो ।
- छात्रगण शिवाजी के चरित्र से नैतिक एवं स्वस्थ जीवन की प्रतिज्ञा प्राप्त
- छात्रगण चंद्रगुप्त एवं रामगुप्त का संबंध जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	हिन्दी नाटकों का उद्‌भव एवं विकास	. इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		डॉ. रामकुमार वर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'शिवाजी' नाटक की कथावस्तु				
		नाट्यकला के आधार पर 'शिवाजी' नाटक का मूल्यांकन				
		'शिवाजी' नाटक के पात्रों का चित्रांकन				
	ईकाई–२	'शिवाजी' नाटक में व्यक्त इतिहास और कल्पना का समन्वय				
		'शिवाजी' नाटक में व्यक्त संवाद–योजना				
		'शिवाजी' नाटक की रंगमंचीयता				
		'शिवाजी' नाटक में व्यक्त राष्ट्रीयता				
		'शिवाजी' नाटक का परिवेश				
	ईकाई–३	जयशंकर प्रसाद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का कथानक				
		नाट्यकला के आधार पर 'ध्रुवस्वामिनी' का मूल्यांकन				
		'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के पात्रों का चित्रांकन				
		'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की संवाद–योजना				
	ईकाई–४	'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की ऐतिहासिकता				
		'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का परिवेश				
		'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में व्यक्त नारी–चेतना				
		'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की रंगमंचीयता				
		'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'शिवाजी' नाटक के शीर्षक की सार्थकता – 'शिवाजी' नाटक में शिवाजी का अन्तर्द्वन्द्व – 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का उद्देश्य – 'शिवाजी' नाटक की भाषा–शैली – 'शिवाजी' नाटक का संकलन–त्रय – 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का भाषा–शैली – 'शिवाजी' नाटक में व्यक्त भारतीय–आदर्श – 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का संकलन–त्रय – 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का अन्त – 'शिवाजी' नाटक का अन्त – 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के शीर्षक की सार्थकता – 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की संवाद–योजना		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : शिवाजी
संपादक : डॉ. रामकुमार वर्मा
प्राप्ति स्थान : जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पाठ्य पुस्तक : ध्रुवस्वामिनी
संपादक : जयशंकर प्रसाद
प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि : रामकुमार वर्मा : डॉ. राधेकृष्ण श्री वास्तव – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
२. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ. कृष्णलाल, हिन्दी परीषद प्रकाशन, प्रयाग
१. इतिहास और आलोचना : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
४. आधुनिकता और सर्जनशीलता : रघुवंशी – दी मैकमिलन कंपनी ऑफ इण्डिया लि., दिल्ली
५. आधुनिक साहित्य : सृजन और समीक्षा : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी – दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इन्डिया लि., दिल्ली
६. हिन्दी वाङ्मय: बीसवीं शतीं : सं. डॉ. नगेन्द्र – विनोद पुस्तक मंदीर, आगरा
७. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
८. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील : डॉ. आभारानी – चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
९. हिन्दी और गुजराती नाट्य–साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. रघुवीर उपाध्याय – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
१०. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
११. प्रसादोत्तर नाट्य साहित्य : डॉ. विजय बापट – मध्यप्रदेश ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
१२. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत – अनुपम प्रकाशन, जयपुर
१३. आधुनिक हिन्दी नाटक : डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
१४. प्रसाद–प्रतिभा : सं. डॉ. इन्द्रनाथ मदन – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
१५. हिंदी–साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य–खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१६. हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : डॉ. जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
१७. हिन्दी साहित्य : रचना से अलोचना तक : डॉ. शैलेश के. मेहता – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
१८. प्रसाद काव्य : प्रतिभा और संरचना : डॉ. हरिहर प्रसाद गुप्त – भाषा–साहित्य संस्थान, इलाहाबाद
१९. प्रसाद और स्कन्द गुप्त : आचार्य दुर्गाशंकर मिश्र – प्रकाशन केन्द्र, लखनउ
२०. हिन्दी साहित्य का प्रवृति पर के इतिहास : डॉ. सभापति मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२१. तीर्थोदक : डॉ. गिरिश त्रिवेदी : अभिनन्दन ग्रंथ – वासुकि प्रकाशन, राजकोट
२२. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबु गुलाबराय लक्ष्मी नारायण – अग्रवाल प्रकाशन, आगरा

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१५								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	प्राचीन हिन्दी काव्य – १ : विद्यापति पदावली, परमालरासो (आल्हखण्ड)								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१५	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण 'नाथ सम्प्रदाय' की दार्शनिक पृष्ठभूमि को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण 'गोरखनाथ' के जीवनवृत को समझे ।
- छात्रगण गोरखनाथ एवं मत्सेन्द्रनाथ के परस्पर सम्बन्ध को जानें ।
- छात्रगण 'विद्यापति पदावली' के रस सौंदर्य से अभिभूत होंगे ।
- छात्रगण गोरखनाथ के सामाजिक जागृति, निर्गुण तप–साधना एवं योग साधना को विस्तार से जानें ।
- छात्र आदिकालीन साहित्य को विस्तार से जानें
- छात्रगण विद्यापति के काव्य सौंदर्य को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण आदिकालीन भाषा–सौष्ठव को 'विद्यापति पदावली' के माध्यम से जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	विद्यापति : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	. इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'विद्यापति पदावली' का हिन्दी साहित्य में स्थान				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'विद्यापति पदावली' का मूल्यांकन				
		गीतिकाव्य परंपरा और विद्यापति				
	ईकाई–२	मुक्तकाव्य परंपरा और विद्यापति				
		'विद्यापति पदावली' में यौवन, श्रृंगार एवं प्रकृति चित्रण				
		'विद्यापति पदावली' की काव्यगत विशेषताएँ				
		'विद्यापति पदावली' में विरह वर्णन				
		'विद्यापति पदावली' में प्रेम निरूपण				
	ईकाई–३	रासो काव्य परम्परा और 'परमाल रासो'				
		रासो काव्य की साहित्यिक विशेषताएँ				
		जनकवि जगनिक का जीवन–वृत्त एवं रचनाकाल				
	ईकाई–४	परमाल रासो (आल्हखण्ड) का परिचय				
		परमाल रासो (आल्हखण्ड) का वर्ण्य विषय				
		परमाल रासो (आल्हखण्ड) की प्रामाणिकता				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से परमाल रासो (आल्हखण्ड) का मूल्यांकन				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – भक्त कवि विद्यापति – परमाल रासो (आल्हखण्ड) की ऐतिहासिकता – 'विद्यापति पदावली' की भाषा शैली – परमाल रासो (आल्हखण्ड) का संदेश – विद्यापति की राधा – परमाल रासो (आल्हखण्ड) की भाषा–शैली – 'विद्यापति पदावली' की रस योजना – आल्हा और उदल का चरित्र		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : विद्यापती पदावली
संपादक : रामवृक्ष बेनीपुरी
प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पाठ्य पुस्तक : पारमाल रासो (आल्हखण्ड)
संपादक : डॉ. सभापति मिश्र, डॉ. एस. के. मेहता
प्राप्ति स्थान : जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. विद्यापति : डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. विद्यापति की काव्य–साधना : देशराजसिंह भाटी, हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली
३. विद्यापति : डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
३. विद्यापति पदावली : सं. डॉ. सुरेन्द्रनाथ दीक्षित, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
५. विद्यापति : अनुशीलन एवं मूल्यांकन : संपा. डॉ. वीरेन्द्र श्रीवास्तव, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना
६. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास : हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
७. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
८. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
९. संत–साहित्य के प्रेरणा–स्रोत : परशुराम चतुर्वेदी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१०. निर्गुण साहित्य : सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : डॉ. मोतीसिंह – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
११. निर्गुण संतो के स्वप्न : डेविड एन. लोरेंजन – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१२. सार सार को गहि रहै, थोथा देई उडाय : डॉ. शैलेश के. मेहता – बालाजी फेण्ड्स ग्रुप, राजकोट
१३. कबीर का काव्य और नाडी–तंत्र : डॉ. शैलेश के. मेहता –वासुकि प्रकाशन, राजकोट
१४. वीर काव्य सं. : सं. उदयनारायण तिवारी – भारती–भण्डार, इलाहाबाद
१५. कीर्तिलता और अवहट्‌ठ भाषा : डॉ. शिवप्रसाद सिंह – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१५ (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	प्राचीन हिन्दी काव्य – २ : बेलि क्रिसन रूकमणी री, ढोला मारू रा दूहा								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१५	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	३०	७०	–	१००	स्नातक

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- पाठ्यक्रम से संबंधित छात्र आदिकालीन काव्य-स्वरूप से परिचित होंगे ।
- छात्रगण लोककथा का स्वरूप एवं विकास समझें ।
- छात्रगण ढोला की शौर्यता, वीरता, धीरता एवं विवेक को समझे ।
- छात्रगण भारतीय परम्परा में कृष्ण-प्रेम से संबंधित काव्यों का ज्ञान प्राप्त करें ।
- पाठ्यक्रम संबंधित छात्र भारतीय लोककथाओं में व्यक्त मानवीय संवेदना को जानें ।
- छात्रगण राजस्थान के लोक-साहित्य से परिचित होंगे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	पृथ्वीराज : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	. इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'बेलि क्रिसन रूकमणी री' की समकालीन परिस्थितियाँ				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'बेलि क्रिसन रूकमणी री' का मूल्यांकन				
		महाकाव्य के रूप में 'बेलि क्रिसन रूकमणी री' का मूल्यांकन				
		'बेलि क्रिसन रूकमणी री' का कथानक				
	ईकाई-२	'बेलि क्रिसन रूकमणी री' की रस-योजना				
		'बेलि क्रिसन रूकमणी री' की कलात्मकता				
		'बेलि क्रिसन रूकमणी री' की बहुज्ञता				
		'बेलि क्रिसन रूकमणी री' की पात्र-योजना				
		'बेलि क्रिसन रूकमणी री' की मिथकीयता				
	ईकाई-३	लोककथा : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप				
		राजस्थानी लोककथाओं का सामान्य परिचय				
		'ढोला मारू रा दूहा' का कथानक				
		प्रेमाख्यान काव्यपरंपरा में 'ढोला मारू रा दूहा' का स्थान				
		'ढोला मारू रा दूहा' में अकालग्रस्तता				
	ईकाई-४	'ढोला मारू रा दूहा' में प्रेम-निरूपण				
		'ढोला मारू रा दूहा' में लोकगीत				
		'ढोला मारू रा दूहा' में विरहानुभूति				
		'ढोला मारू रा दूहा' में व्यक्त चरित्रों का चरित्रांकन				
		'ढोला मारू रा दूहा' में व्यक्त मानवीय-संवेदना				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'बेलि क्रिसन रूकमणी री' में प्रकृति चित्रण – 'बेलि क्रिसन रूकमणी री' का कलापक्ष – 'बेलि क्रिसन रूकमणी री' में ऋतु वर्णन – रूकमणी का स्वास्थ्य सौंदर्य – कृष्ण–रूकमणी का दाम्पत्य प्रेम – 'बेलि क्रिसन रूकमणी री' के शीर्षक की सार्थकता – 'ढोला मारू रा दूहा' का परिवेश – 'ढोला मारू रा दूहा' में व्यक्त गीत–योजना – 'ढोला मारू रा दूहा' में निरूपित स्वप्न – 'ढोला मारू रा दूहा' में मारवणी का रूप–सौंदर्य – 'ढोला मारू रा दूहा' में ढोला की वीरता – 'ढोला मारू रा दूहा' में व्यक्त राजस्थानी लोक–संस्कृति		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : 'बेलि क्रिसन रूकमणी री'
संपादक : पृथ्वीराज राठोड
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्य पुस्तक : 'ढोला मारू रा दूहा'
संपादक : डॉ. कृष्णकुमार शर्मा
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. रीतिकाल और आधुनिक हिन्दी कविता : डॉ. रमेशकुमार शर्मा – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
३. रसखान के काव्य में प्रेम–तत्व : हरिन्द्रकुमार – नवलोक प्रकाशन, दिल्ली
४. रसखान : चंद्रशेखर पांडे – हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
५. हमारे कवि और लेखक : डॉ. राजेश्वरप्रसाद चतुर्वेदी – प्रकाशन केन्द्र, लखनउ
६. हिन्दी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ : डॉ. शिवकुमार शर्मा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
७. हिन्दी साहित्य का अतीत (दूसरा भाग, श्रृंगारकाल) : विश्वनाथप्रसाद मिश्र – वाणी–विज्ञान प्रकाशन, दिल्ली
८. शिवसिंह सहोज : डॉ. किशोरीलाल गुप्त – हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
९. डिंगल में वीररस : डॉ. मोतीलाल मेनारिया – हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
१०. पृथ्वीराज राठौड : व्यक्तित्व और कृतित्व – प्रो. भूपतिराम साकरिया, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१६								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी निबंध साहित्य : निबंध मंजूषा								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१६	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- पाठ्यक्रम संबंधित छात्र हिन्दी निबंध का स्वरूप एवं विकास जानें ।
- छात्रगण पाठ्यक्रम के निबंधों का अभिप्राय समझें ।
- छात्रगण पाठ्यक्रम के निबंधों के माध्यम से लेखक के उपदेश एवं आत्म-व्यंजना को जानें ।
- छात्रगण हिन्दी निबंधकारों की निबंध-सृजन प्रक्रिया को समझें ।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन से संदर्भित छात्रों में निबंध-लेखन प्रतिभा का विकास होगा ।
- छात्रगण निबंधकार के निबंधों के माध्यम से लेखक के विचार, अनुभूति एवं लालित्यपूर्ण शैली को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	हिन्दी निबन्ध : स्वरूप एवं विकास	. इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'चारू-चरित्र' का निबंध-कला की दृष्टि से मूल्यांकन				
		'घोखा' निबंध में व्यक्त प्रतापनारायण मिश्र की वैचारिकता				
	ईकाई-२	'नालंदा का विश्वविद्यालय' निबंध में व्यक्त शिक्षा-प्रणाली				
		'घुमक्कड धर्म' निबंध में व्यक्त राहुल सांकृत्यायन की वैचारिकता				
		'साहित्य और जीवन' में निरूपित नन्ददुलारे बाजपेयी की आलोचना दृष्टि				
	ईकाई-३	'जनतंत्र का खोखलापन' निबंध का सारांश				
		'पहिला सफेद बाल' में हरिशंकर परसाई की वैचारिकता				
		'मेरा रूमाल खो गया' निबंध का कथ्य एवं शिल्प				
	ईकाई-४	'कछुआ धर्म' निबंध का सारांश				
		'निबंध मंजूषा' निबंध-संग्रह के निबंधों की वैचारिकता				
		'निबंध मंजूषा' निबंध-संग्रह के निबंधों में व्यक्त भारतीय संस्कृति				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'चारू-चरित्र' निबंध का उद्देश्य – 'जनतंत्र का खोखलापन' निबंध का उद्देश्य – 'घोखा' निबंध की भाषा-शैली – 'पहिला सफेद बाल' निबंध में व्यक्त व्यंग्यात्मकता – 'घुमक्कड धर्म' निबंध का शीर्षक – 'कछुआ धर्म' निबंध का शीर्षक		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा । **★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।** **★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।** **★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।** **★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**	**पाठ्य पुस्तक : निबंध मंजूषा** **संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा** **प्राप्ति स्थान : पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद**

संदर्भ ग्रंथ :

१. साहित्य-सहचर : हजारीप्रसाद द्विवेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. हिन्दी ललित निबन्ध : परंपरा एवं प्रयोग : वेदवती राठी – पाठक प्रकाशन, अलीगढ
३. हिन्दी गद्य के विविध साहित्य-रूपों का उद्‌भव और विकास : डॉ. बलवन्त लक्ष्मण कोतमिरे –किताब महल, दिल्ली
४. हिन्दी साहित्य में निबन्ध और निबन्धकार : डॉ. गंगाप्रसाद गुप्त – रचना प्रकाशन, इलाहाबाद
५. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ. पी. वासवदत्ता – युगवाणी प्रकाशन, इलाहाबाद
६. साहित्यकार और चिन्तक आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
७. आधुनिक साहित्य : सृजन और समीक्षा : आचार्य नन्ददुलार वाजपेयी – दि मैकमिलन कंपनी
८. प्रेमचन्द के निबन्ध-साहित्य में सामाजिक चेतना : अर्चना जैन – इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली
९. हजारीप्रसाद द्विवेदी के सर्जनात्मक साहित्य : डॉ. सुधीर चौहान – शिवालीक प्रकाशन, दिल्ली
१०. हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंध और भारतीय संस्कृति के तत्व : डॉ. शैलेश के. मेहता – लायन्स क्लब, धोराजी
११. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के साहित्य में सौंदर्य और प्रेम : डॉ. चन्द्रशेखर मालवीय – ज्ञान प्रकाशन, कानपुर
१२. हिन्दी साहित्य : रचना के आलोचना तक : डॉ. शैलेश के. मेहता – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
१३. चिन्तामणी : रामचन्द्र शुक्ल – प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली
१४. ठेले पर हिमालय : धर्मवीर भारती – भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली
१५. निबंधमाला : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१६ (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पर्यावरण एवं प्रदूषण								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१६	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण वैश्विक पर्यावरण की समस्या को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण पर्यावरण संबंधी भारतीय संवैधानिक अनुच्छेदों को विस्तार से जानें ।
- संबंधित पाठ्यक्रम के छात्र समयानुसार परिवर्तित पर्यावरण संबंधी स्थिति की भयानकता को जानें ।
- छात्रगण पर्यावरण के स्रोतों को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण पर्यावरण की सुरक्षा करें ।
- छात्रगण भौतिक तथा सामाजिक पर्यावरण की जानकारी प्राप्त करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	आधुनिक जीवन एवं पर्यावरण	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		जल प्रदूषण				
		ध्वनि प्रदूषण				
		वायु प्रदूषण				
	ईकाई-२	मृदा प्रदूषण				
		सागर प्रदूषण				
		पर्यावरण रक्षा				
		जन संख्या प्रदूषण				
	ईकाई-३	पर्यावरण प्रदूषण : कानून				
		पर्यावरण प्रदूषण : समस्या				
		पर्यावरण प्रदूषण और हम				
		पर्यावरण प्रदूषण समाधान				
	ईकाई-४	पर्यावरण संरक्षण में विभिन्न अभिकरणों का योगदान				
		पर्यावरण शिक्षा और जनसंचार				
		मानव और पर्यावरण का संबंध				
		भारत में पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रयास				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – पर्यावरण का महत्त्व – मानवीय जीवन में पर्यावरण का महत्त्व – पर्यावरण एवं जनजागृति – औद्योगिकता एवं पर्यावरण – पर्यावरण शिक्षा का महत्त्व – वर्तमान पर्यावरण की समस्याएँ		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : पर्यावरण एवं प्रदूषण
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन, रोहतक

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि : डॉ. विनयकुमार पाठक– प्रयास प्रकाशन, बिलासपुर
२. आधुनिक जीवन और पर्यावरण : दाहोदर शर्मा – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
३. जंगल प्रदूषण : शिवगोपाल मिश्र – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
४. वायु प्रदुषण : ध्वनि प्रदुषण : शिवगोपाल मिश्र : सुनीलदत्त तिवारी : डी. डी. ओझा : प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
५. मुद्रा प्रदुषण : सागर प्रदुषण : शिवगोपाल मिश्र : दिनेश मणि : श्यामसुंदर शर्मा : प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
६. पर्यावरण और हम : शुकदेव प्रसाद – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
७. १००० पर्यावरण प्रश्नोत्तरी : दिलीप एम. सालवी – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
८. पर्यावरण शिक्षा : हरिश्चंद्र व्यास – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
९. जनसंख्या प्रदुषण और पर्यावरण : हरिश्चंद्र व्यास – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. पर्यावरण शिक्षा : डॉ. उषा सुराना – तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
११. पर्यावरण शिक्षा : बिठ्ठल कुमार सनाढ्य – प्रेरणा प्रकाशन, दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	अनिवार्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : रश्मिरथी एवं व्याकरण								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०४	०१	०६	००	१९	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण महाभारतकालीन घटनाओं का विस्तार से अध्ययन करें ।
- छात्रगण महाभारत के अल्पज्ञात पात्रों के बारे में जानें ।
- छात्रगण महाभारत की समाज-व्यवस्था को जानें ।
- छात्रगण कर्ण के जीवन के बारे में जानें ।
- छात्रगण कर्ण के वीरता के बारे में जानें ।
- छात्रगण कहानी एवं निबंध की स्वरूपगत विशेषता के बारे में जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	रामधारिसिंह 'दिनकर' : व्यक्ति एवं कृतित्व	. इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी खण्डकाव्य : उद्‌भव एवं विकास				
		'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथानक				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'रश्मिरथी' का मूल्यांकन				
	ईकाई-२	खण्डकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'रश्मिरथी' का मूल्यांकन				
		'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के पात्रों का चित्रांकन				
		'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के प्रेरणा-स्त्रोत				
		'रश्मिरथी' खण्डकाव्य में कल्पना एवं इतिहास का समन्वय				
	ईकाई-३	'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की अभिव्यंजना-पद्धति				
		'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की आधुनिकता				
		'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की मिथकीयता				
		'रश्मिरथी' खण्डकाव्य में निरूपित समस्याएँ				
	ईकाई-४	कहानी लेखन				
		निबंध				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य में अलंकार योजना – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य में निरूपित प्रकृति चित्रण – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य में छन्द योजना – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य का उद्देश्य – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य में रस–योजना – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य में संवाद योजना – कर्ण की दान महिमा		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : रश्मिरथी
संपादक : रामधारी सिंह 'दिनकर'
प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. 'युगचारण दिनकर' : सावित्री सिन्हा, नेशनल पब्लिशिंग, दिल्ली – प्रथम संस्करण
२. 'दिनकर' : सं. सावित्री सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
३. 'दिनकर' : पुनर्मूल्यांकन : एक विजेन्द्र सिंह, परिमल प्रकाशन
४. 'दिनकर' : कुछ पनर्विचार : डॉ. शंभुनाथ – जनचेतना प्रकाशन, कलकता
५. 'दिनकर एक सहज पुरुष : शिवसागर मिश्र, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
६. 'दिनकर साहित्य में व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति' : डॉ. रामारानी सिंह – अमित प्रकाशन, गाजियाबाद
७. 'दिनकर का व्यक्तित्व' : डॉ. सोमूरि प्रमीला – अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
८. 'दिनकर व्यक्तित्व एवं कृतित्व' : सं. जगदीशप्रसाद चतुर्वेदी, प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली
९. 'दिनकर का गद्य साहित्य' : डॉ. प्रेमनाथ उपाध्याय –जिज्ञासा प्रकाशन, पटना
१०. 'भारतीय का सांस्कृतिक इतिहास' : डॉ. राजेन्द्र पाण्डेय उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ
११. 'भारतीय सांस्कृति और कला : वाचस्पति गैरोला, उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ
१२. 'समय और संस्कृति' : श्यामचरण दूब – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१३. 'भारतीय संस्कृति' : शिवदत्त ज्ञानी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
१४. 'भारतीय संस्कृति की रूपरेखा' : पृथ्वीकुमार अग्रवाल विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
१५. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१६. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१७. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण– प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
१८. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
१९. हिन्दी भाषाा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
२०. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी – साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
२१. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
२२. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१७								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास : विविध विधाओं का उद्भव एवं विकास								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०६	१७	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण हिन्दी गद्य स्वरूपों से परिचित होंगे ।
- छात्र उपन्यास एवं कहानी का स्वरूपगत भेद समझे ।
- छात्र हिन्दी नाटक एवं रंगमंच की आवश्यकता को जानें ।
- छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि विकसित करना ।
- छात्रगण यात्रा साहित्य के माध्यम से विभिन्न राष्ट्रों की संस्कृतियों का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण साक्षात्कार से व्यक्तिगत प्रतिभा का विकास करेंगे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	हिन्दी नाटक : उद्भव एवं विकास	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी उपन्यास : उद्भव एवं विकास				
		हिन्दी कहानी : उद्भव एवं विकास				
	ईकाई–२	हिन्दी निबंध : उद्भव एवं विकास				
		हिन्दी आलोचना : उद्भव एवं विकास				
		हिन्दी संस्मरण : उद्भव एवं विकास				
	ईकाई–३	हिन्दी रेखाचित्र : उद्भव एवं विकास				
		हिन्दी जीवनी : उद्भव एवं विकास				
		हिन्दी आत्मकथा : उद्भव एवं विकास				
	ईकाई–४	हिन्दी रीपोर्ताज : उद्भव एवं विकास				
		हिन्दी का यात्रा साहित्य : उद्भव एवं विकास				
		हिन्दी की पत्र–पत्रिकाएँ : उद्भव एवं विकास				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – हिन्दी का एकांकी साहित्य – हिन्दी का व्यंग्य साहित्य – हिन्दी का साक्षात्कार साहित्य – हिन्दी का डायरी साहित्य		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा । **★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।** **★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।** **★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।** **★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**	**पाठ्य पुस्तक : साहित्य स्वरूप : उद्‌भव एवं विकास** **लेखक : डॉ. बी. के. कलासवा** **प्राप्ति स्थान : पैरेडाईज पब्लिशर्स, जयपुर**

संदर्भ ग्रंथ :

१. साहित्यिक निबंध : राजनाथ शर्मा – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
२. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील : डॉ. आभा रानी – चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
३. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास : हजारीप्रसा द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
४. हिन्दी गद्य के विविध साहित्य रूपों का उद्‌भव और विकास : डॉ. बलवन्त लक्ष्मण कोतमिरे – किताब महल, दिल्ली
५. अमृतलाल नागर के उपन्यास : भारतीयता की पहचान : डॉ. बी. जे. पटेल – चिन्तन प्रकाशन, कानपुर
६. निर्मल वार्मा की कहानियों मे युग–संवेदना : डॉ. परेश पण्डया – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
७. रामदरश मिश्र के उपन्यासों में नारी : डॉ. मनहर गोस्वामी – भारत पुस्तक भंडार, दिल्ली
८. रामदशर मिश्र के उपन्यासों में गृह–परिवार : डॉ. यशवंत गोस्वामी – नया साहित्य केन्द्र, दिल्ली
९. हिन्दी साहित्य : रचना से आलोचना तक : डॉ. शैलेश के. मेहता – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
१०. हिन्दी कहानी : एक अंतरंग परिचय : श्री उपेन्द्रनाथ अशक – नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
११. हिन्दी साहित्य में निबन्ध और निबंधाकार : डॉ. गंगाप्रसाद गुप्त – रचना प्रकाशन, इलाहाबाद
१२. 'प्रसाद के नाटक तथा रंगमंच' : डॉ. सुष्मापाल मल्होत्रा – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
१३. प्रेमचन्द परिचर्चा : सं. कल्याणमाल सोढा एवं रामनाथ तिवारी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१४. हिंदी साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१५. यात्रा साहित्य : उद्‌भव एवं विकास : डॉ. सुरेन्द्र माथुर – साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
१६. शोध के नये आयाम : डॉ. बी. के. कलासवा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक
१७. हिन्दी का गद्य पर्व : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
१८. कहानी नयी पुरानी : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
१९. यात्रा साहित्य : डॉ. सुरेश बाबर – जगतभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२०. गद्य विविधा : डॉ. नागेश्वर सिंह : डॉ. माया प्रसाद – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. बी. के. कलासवा – भगवती प्रकाशन, राजकोट
२२. निर्मल वर्मा के उपन्यासों में संवेदना और शिल्प : डॉ. एन. एम. डोडिया – सुरभि प्रकाशन, नडियाद
२३. संक्षिप्त हिन्दी साहित्य समीक्षा : डॉ. वखतसिंह गोहिल – वासुकी कृपा ओफसेट, राजकोट

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१८								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	साहित्य सिद्धांत – २								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०६	१८	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी				०२:१५ घण्टे				
	बाह्य परीक्षार्थी				०३:०० घण्टे				

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण प्राचीन एवं नवीन साहित्य स्वरूपों के सैद्धांतिक स्वरूप से परिचित हो ।
- छात्रगण साहित्य स्वरूपों का तात्विक विवेचन समझे ।
- छात्रगण साहित्य स्वरूपों का प्रकार जानें ।
- छात्रगण साहित्य स्वरूपों की तुलना करें ।
- छात्रगण साहित्य-रूपों की महत्ता समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	नाटक : व्युत्पति के विभिन्न मत	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		नाटक का अर्थ, परिभाषा, तत्व और प्रकार				
		'एकांकी' का अर्थ, परिभाषा, तत्व, प्रकार एकांकी का आधुनिक स्वरूप				
		नाटक एवं एकांकी की तुलना				
	ईकाई-२	'उपन्यास' का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व, उपन्यास के प्रकार				
		'कहानी' का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व, कहानी के भेद				
		'उपन्यास' और 'कहानी' में अन्तर, कहानी का आधुनिक स्वरूप				
		'निबंध' का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व, निबंध के प्रकार				
		'आलोचना' का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व, आलोचना के प्रकार				
	ईकाई-३	हिन्दी संस्मरण : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व एवं प्रकार				
		हिन्दी रेखाचित्र : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व एवं प्रकार				
		संस्मरण और रेखाचित्र की तुलना				
		जीवनी : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व एवं प्रकार				
	ईकाई-४	आत्मकथा : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व एवं प्रकार				
		जीवनी और आत्म कथा की तुलना				
		रीपोतार्ज : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व एवं प्रकार				
		यात्रा साहित्य : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व एवं प्रकार				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – रूपक के भेद – साक्षात्कार : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप – व्यंग्य : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप – डायरी : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : साहित्य स्वरूप
लेखक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : पैरेडाईज पब्लिशर्स, जयपुर

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी का गद्य पर्व : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
२. निर्मल वर्मा की कहानियों में युग–संवेदना : डॉ. परेश पण्डया – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
३. साहित्य–सहचर : हजारीप्रसाद द्विवेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. इतिहास और आलोचना : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
५. आलोचना के नए मान : कर्णसिंह चौहान – दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया लि., दिल्ली
६. एक साहित्यिक की डायरी : गजानन माधव मुक्तिबोध – भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली
७. साहित्यालोचन : प्रो. भारतभूषण 'सरोज' – विनोद पुस्तक मन्दिरा, आगरा
८. साहित्यालोचन : कृष्णदेव शर्मा : विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
९. साहित्यिक निबंध : दुर्गाशंकर मिश्र – प्रकाशन केन्द्र, लखनउ
१०. हिन्दी साहित्य कोश–१, पारिभाषिक शब्दावली : सं. धीरेन्द्र वर्मा एवं साथी – ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी
११. समीक्षा–शास्त्र, डॉ. दशरथ ओझा – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
१२. काव्य के रूप : गुलाबराय – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
१३. साहित्य विवेचन : क्षेमचन्द्र 'सुमन' : योगेन्द्रकुमार मल्लिक – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
१४. आधुनिक आलोचना के प्रतिमान : डॉ. चन्द्रभूषण सिन्हा : डॉ. सुशीला मिश्रा – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१५. अमृतलाल नागर के उपन्यास : भारतीयता की पहचान : डॉ. बी. जे. पटेल 'ब्रिजेश' – चिन्तन प्रकाशन, कानपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१९								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी भाषा का व्याकरण								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०६	१९	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- हिन्दी के छात्रों को हिन्दी व्याकरण की रूक्षता और अनावश्यक नियमबद्धता के कटु अनुभव से बचाना ।
- अहिन्दी प्रान्तों के हिन्दी छात्रों को हिन्दी की प्रकृति और प्रवृति से परिचित कराना ।
- छात्रगण हिन्दी भाषा की सरलता, सहजता, सचोटता एवं संक्षिप्तता को जानें ।
- पाठ्यक्रम से संबंधित छात्र व्याकरण के माध्यम से अपनी भाषाकीय अशुद्धियों, असंगतियों को दूर करें ।
- छात्रगण हिन्दी भाषा का प्रशिक्षण प्राप्त करें ।
- छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम सामग्री को पढ़कर अपनी वाणी की अशुद्धता को दूर करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	हिन्दी वर्णमाला : स्वर, व्यंजन, अल्पप्राण, महाप्राण, अनुस्वार, अनुनासिक, पंचमाक्षर, बलाघात (स्वराघात)	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		शब्द : अर्थ, परिभाषा एवं भेद (मूल शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, विकारी शब्द, अविकारी शब्द)				
		लिंग : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
		वचन : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
	ईकाई–२	कारक : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
		संज्ञा : परिभाषा एवं भेद				
		सर्वनाम : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
		विशेषण : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
	ईकाई–३	क्रिया : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
		अव्यय : परिभाषा एवं भेद				
		वाच्य : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
		काल : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
	ईकाई–४	वाक्य : अर्थ, परिभाषा, विभाजन, प्रकार एवं महत्व				
		विराम चिह्न : अर्थ, परिभाषा, प्रकार एवं महत्व				
		सन्धि : अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार				
		समास : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – कृदन्त के भेद – अनेकार्थ शब्द – विलोमार्थी शब्द – वर्तनी – पर्यायवाची शब्द – मुहावरें एवं लोकोक्ति में अन्तर		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी भाषा विज्ञान : डॉ. डी. डी. शर्मा – पल्लव प्रकाशन, मालीवाड, दिल्ली
२. आधुनिक भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी –भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
३. हिन्दी भाषा का व्याकरण : डॉ. मितल जे. भालोडिया – पेरेडाईझ पब्लिशर्स, सतलंज पथ, तारानगर–ए, झोतवारा, जयपुर
४. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन : डॉ. श्रीवास्तव
५. आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. राजमणि शर्मा – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
६. भाषा विज्ञान और हिन्दी : डॉ. के. डी. रुवाली
७. हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम : डॉ. श्रीवास्तव
८. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ. भोलानाथ तिवारी – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
९. हिन्दी भाषा का विकासात्मक अध्ययन : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
१०. हिन्दी और उसकी उपभाषाएँ : डॉ. विमलेश कांति शर्मा –भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
११. हिन्दी विकास और संभावनाएँ : डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया – भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
१२. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१३. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण : डॉ. हरदेव बाहरी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१४. हिन्दी भाषा की सामाजिक संरचना : डॉ. भोलानाथ तिवारी – साहित्य सहकार, दिल्ली
१५. हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरीलाल वाजपेयी – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
१६. हिन्दी व्याकरण : पं. कामताप्रसाद गुरु – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
१७. साहित्य विवेचन : क्षेमचन्द्र 'सुमन' : योगेन्द्रकुमार मल्लिक – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
१८. रस छंद अलंकार : पं. धर्मनारायण पाण्डेय – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१९. हिन्दी भाषा का इतिहास : प्रो. ओमप्रकाश तरुण, रीगल बुक डिपो, दिल्ली
२०. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि : डॉ. भोलानाथ तिवारी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२१. वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिन्दी : डॉ. मालती दुबे – पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद
२२. हिन्दी–भाषा : रूप–विकास : डॉ. सरनामसिंह शर्मा 'अरूण' – चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
२३. हिन्दी शब्दों की विकास कथा : डॉ. देवेन्द्रकुमार जैन – नीलाम प्रकाशन, दिल्ली
२४. भाषा: इतिहास की भाषावैज्ञानिक भूमिका : जो. वान्द्रियैज – हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनउ
२५. प्रशासनिक हिन्दी निपूणता : हरिबाबू कंसाल – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
२६. हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य : डॉ. पंडित बन्ने – अमन प्रकाशन, कानपुर
२७. डॉ. फादर कामिल बुल्के की हिन्दी सेवा : प्रा. मोनिका छतवाणी – आकाश पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स, गाजियाबाद
२८. मानक हिन्दी : स्वरूप और संरचना – डॉ. रामप्रकाश – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१९ (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	भाषा शिक्षण – २								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०६	१९	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण शिक्षा–प्रणाली को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण भाषा के माध्यम से समाज, राष्ट्र एवं विदेशी प्रकृति को जानें ।
- छात्रगण भाषा नीति को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण भाषा शिक्षण की वर्तमान स्थिति को जानें ।
- छात्रगण राष्ट्रभाषा हिन्दी की शैक्षिक एवं राजनैतिक स्थिति को जानें ।
- छात्रगण हिन्दी भाषा के विकास एवं विस्तार को गहराई से जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	व्यतिरेकी विश्लेषण : सिद्धांत और अनुप्रयोग	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		अभिरचना अभ्यास और क्रमादेशी अधिगम				
		त्रुटी विश्लेषण : सिद्धांत और व्यवहार				
		भाषा परीक्षण एवं मूल्यांकन				
		तकनीकी उपकरण और भाषा प्रयोगशाला				
		मातृभाषा और उसका महत्त्व				
		मातृभाषा और समाजीकरण				
	ईकाई–२	हिन्दी की परिभाषा : भाषिक एवं सामाजिक संदर्भ				
		हिन्दी भाषा का उद्‌भव एवं विकास				
		आधुनिक भारत में हिन्दी प्रचार–प्रसार के विभिन्न आन्दोलन				
		वर्तमान हिन्दी भाषा : प्रचार, प्रसार एवं संबंधित संस्थाएँ				
		राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं सम्पर्क भाषा की संकल्पना				
	ईकाई–३	हिन्दी का अखील भारतीय स्वरूप				
		वैश्विक स्तर पर हिन्दी का स्थान				
		राजभाषा संबंधी संवैधानिक उपबंध				
		हिन्दी प्रयोग : राष्ट्रपति के आदेश				
		राजभाषा अधिनियम – १९६३				
	ईकाई–४	राजभाषा अधिनियम १९६८				
		राजभाषा अधिनियम १९७६				
		संसदीय राजभाषा समिति के संकल्प				
		राजभाषा प्रयुक्ति का महत्व				
		प्रशासन में हिन्दी का प्रयोग				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – मातृभाषा शिक्षण का प्रयोजन – विदेशी भाषा शिक्षण – त्रिभाषा–सूत्र – द्विभाषाकियता और अन्य भाषा शिक्षण – द्विभाषिकता शिक्षण – हिन्दी भाषा प्रचारक व्यक्ति		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : भाषा शिक्षण
संपादक : डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम : डॉ. श्रीवास्तव
२. मानक हिन्दी : स्वरूप और संरचना : डॉ. रामप्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
३. हिन्दी विकास और संभावनाएँ : डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
४. हिन्दी भाषा की सामाजिक संरचना : डॉ. भोलानाथ तिवारी – साहित्य सहकार, दिल्ली
५. भाषा विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी – किताब महल, अहमदाबाद
६. हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरीलाल वाजपेयी – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
७. हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य : डॉ. पंडित बन्ने : अमल प्रकाशन, कानपुर
८. प्रयोजन मूलक हिन्दी : डॉ. लक्ष्मीकानत पाण्डेय : डॉ. प्रमिला अवस्थी – आशीष प्रकाशन, कानपुर
९. टेलिविझन लेखन : सिद्धांत और प्रयोग : कुमुद नागर – भारत प्रकाशन, लखनउ
१०. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता : डॉ. अर्जुन तिवारी – जयभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली
११. जनसंपर्क, विज्ञापन एवं प्रसार माध्यम : एम. सी. पंत – तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
१२. हिंदी मत अभिमत : विमलेश कांति वर्मा '– प्रकाशन विभाग, भारत सरकार
१३. कम्प्यूटर और हिन्दी : डॉ. हरिमोहन– तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
१४. भाषा–शिक्षण : डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
१५. शैली विज्ञान : डॉ. सुरेशकुमार – दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया लि., दिल्ली
१६. भाषा: इतिहास की भाषा वैज्ञानिक भूमिका – जो. वान्द्रियैज, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनउ
१७. अच्छी हिन्दी : डॉ. जगदीश प्रसाद कौशिक – साहित्यागर, जयपुर
१८. व्यावसायिक क्षेत्रों में हिन्दी प्रयोग : सं. डॉ. एस. पी. शर्मा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	२०								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी नाटक : कबीरा खड़ा बजार में, अंधायुग								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२०	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- पाठ्यक्रम संबंधित छात्र महाभारत की घटनाओं को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण महाभारतकालीन युद्ध की बर्बरता को जानें ।
- छात्रगण महाभारत एवं हिरोसीमा–नागासाकी के मानव–संहार की तुलना करें ।
- छात्रगण काव्य–नाटक का स्वरूप समझे ।
- छात्रगण कबीर के जीवनवृत के बारे में जानें ।
- पाठ्यक्रम से संबंधित छात्र कबीर की समाजसुधार प्रवृति का ज्ञान प्राप्त करें

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	हिन्दी नाटक : उद्‌भव एवं विकास	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		भीष्म साहनी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक का कथानक				
		नाट्यकला के आधार पर 'कबीरा खड़ा बजार में' का मूल्यांकन				
		'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक के चरित्रों का चरित्रांकन				
	ईकाई–२	'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक की रंगमंचीयता				
		'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक में व्यक्त तत्कालीन धर्मान्धता, तानाशाही एवं बाह्याडम्बर का विरोध				
		'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक की संवाद योजना				
		'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय				
		'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक की प्रासंगिकता				
	ईकाई–३	धर्मवीर भारती : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'अन्धायुग' नाटक का कथ्य				
		'अन्धायुग' नाटक के पात्रों का चरित्रांकन				
		नाट्यकला के आधार पर 'अन्धायुग' का मूल्यांकन				
		'अन्धायुग' नाटक की आधुनिकता				
	ईकाई–४	'अन्धायुग' नाटक की प्रतिकात्मकता				
		'अन्धायुग' नाटक में व्यक्त समस्याएँ				
		'अन्धायुग' की मिथकीयता				
		'अन्धायुग' की रंगमंचियता				
		'अन्धायुग' नाटक में युद्ध की समस्या				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक के शीर्षक की सार्थकता – 'अन्धायुग' नाटक के शीर्षक की सार्थकता – 'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक में संकलन–त्रय – 'अन्धायुग' नाटक का संकलन–त्रय – 'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक का उद्देश्य – 'अन्धायुग' नाटक का उद्देश्य – 'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक में व्यक्त तत्कालीन परिवेश – 'अन्धायुग' नाटक का अभिनेयता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कबीरा खड़ा बजार में
संपादक : भीष्म साहनी
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

पाठ्य पुस्तक : अन्धायुग
संपादक : धर्मवीर भारती
प्राप्ति स्थान : राजपाल एण्ड सन्स, काश्मीरी गेट, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. कलाकार का सत्य : विष्णु प्रभाकर – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
२. हिन्दी के नाटक–शिल्पी : डॉ. शान्ति मलिक – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
३. हिन्दी नाटक पर पाश्चात्य प्रभाव : विश्वनाथ मिश्र – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. आधुनिक हिन्दी नाटक : डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
५. सत्तरोत्तरी हिन्दी नाटकों में चित्रित यथार्थ : डॉ. गोरखनाथ माने – साहित्य सागर, कानपुर
६. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य : डॉ. बेचन – सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली
७. हिन्दी नाटक और नाटककार : डॉ. सुरेशचन्द्र शुक्ल – कु. नीलम मसन्द, पुस्तक संस्थान, कानपुर
८. हिन्दी के रंगमंचीय नाटकों का शिल्पविधान : डॉ. चन्द्रसेन नावाणी, हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद
९. हिन्दी का आधुनिक साहित्य : सत्यकाम वर्मा – भारती साहित्य मन्दिर, दिल्ली
१०. सिद्धांत और अध्ययन : गुलाबराय – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
११. धर्मवीर भारती : साहित्य के विविध आयाम : डॉ. हुकुमचंद राजपाल – चभू प्रकाशन, साहिबाबाद
१२. अंधा युग : एक सृजनात्मक उलब्धि : सुरेश गौतम – साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
१३. भारती का काव्य : रधुवंश – मैकमिलन इंडिया लि., दिल्ली
१४. अंधायुग एक शैली वैज्ञानिक अध्ययन : डॉ. कमलेश त्रिवेदी – दर्पण प्रकाशन, नडियाद
१५. धर्मवीर भारती (व्यक्तित्व एवं कृतित्व) : चन्द्रकान्त बान्दिवेडकर, साहित्य अकादमी, दिल्ली
१६. अंधायुग : पाठ और प्रदर्शन : जयदेव तनेजा – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१७. धर्मवीर भारती की साहित्य साधना : पुष्पा भारती – भारतीय ज्ञानपीठ, लोदी रोड, नयी दिल्ली
१८. भारतीय लोकरंग शैलियाँ और सामाजिक संदर्भ एक अध्ययन : डॉ. स्मिता सी. पटेल, साहिती हितकारिणी

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	२० (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी के चरित्र प्रधान नाटक : चन्द्रगुप्त, अशोक								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२०	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण गुप्त राजाओं की वंशावली को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण भारतीय रंगमंच की परम्परा को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण चंद्रगुप्त की राजनीति को समझे ।
- छात्रगण चंद्रगुप्त के व्यक्तित्व, शौर्य, देशप्रेम एवं विरता को विस्तार से जानें ।
- पाठ्यक्रम से संबंधित छात्र नाटक के कथ्य को जानकर नाटक का अभिनय करें ।
- छात्रगण अशोक की वीरता, धीरता, गंभीरता, विनयता, विवेकता को विस्तार से जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	चन्द्रगुप्त विद्यालंकार : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'अशोक' नाटक का कथानक				
		नाट्यकला के आधार पर 'अशोक' नाटक का मूल्यांकन				
		'अशोक' नाटक के पात्रों का चित्रांकन				
		'अशोक' नाटक की रंगमंचीयता				
	ईकाई–२	'अशोक' नाटक में इतिहास और कल्पना का समन्वय				
		'अशोक' नाटक की संवाद योजना				
		'अशोक' नाटक की प्रासंगिकता				
		'अशोक' नाटक की भाषा–शैली				
		'अशोक' नाटक में व्यक्त अशोक का हृदय परिवर्तन				
	ईकाई–३	जयशंकर प्रसाद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'चन्द्रगुप्त' नाटक का कथानक				
		'चन्द्रगुप्त' नाटक के पात्रों का चरित्रांकन				
		नाट्यकला के आधार पर 'चन्द्रगुप्त' का मूल्यांकन				
		'चन्द्रगुप्त' नाटक में व्यक्त राष्ट्रीयता				
	ईकाई–४	'चन्द्रगुप्त' नाटक में इतिहास और कल्पना का समन्वय				
		'चन्द्रगुप्त' नाटक की रंगमंचीयता				
		'चन्द्रगुप्त' नाटक की संवाद–योजना				
		'चन्द्रगुप्त' नाटक की प्रासंगिकता				
		'चन्द्रगुप्त' नाटक की भाषा–शैली				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'अशोक' नाटक का संकलन–त्रय – 'अशोक' नाटक के शीर्षक की सार्थकता – 'अशोक' नाटक का उद्देश्य – 'अशोक' नाटक का अन्त – 'चन्द्रगुप्त' नाटक के शीर्षक की सार्थकता – 'चन्द्रगुप्त' नाटक में संकलन–त्रय – 'चन्द्रगुप्त' नाटक का उद्देश्य – 'चन्द्रगुप्त' नाटक का प्रारंभ		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : अशोक
संपादक : चन्द्रगुप्त विद्यालंकार
प्राप्ति स्थान : राजपाल एण्ड सन्स, काश्मीरी गेट, नई दिल्ली ।

पाठ्य पुस्तक : चन्द्रगुप्त
संपादक : जयशंकर प्रसाद
प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. इतिहास और आलोचना : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
२. प्रसादोत्तर नाट्य साहित्य : डॉ. विजय बापट – मध्यप्रदेश ग्रन्थ अकादमी, भोपालं
३. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत – अनुपम प्रकाशन, जयपुर
४. आधुनिक हिन्दी नाटक : डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
५. प्रसाद–प्रतिभा : सं. डॉ. इन्द्रनाथ मदन – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
६. जयशंकर के नाटकों में संवाद : सिद्धांत और विनियोग : डॉ. (श्रीमती) श्यामा सहाय – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
७. जयशंकर प्रसाद के नाटकों में इतिहास और संस्कृति : डॉ. उमेशचन्द्र मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
८. हिंदी–साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य–खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
९. हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : डॉ. जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
१०. हिन्दी साहित्य : रचना से अलोचना तक : डॉ. शैलेश के. मेहता – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
११. प्रसाद काव्य : प्रतिभा और संरचना : डॉ. हरिहर प्रसाद गुप्त – भाषा–साहित्य संस्थान, इलाहाबाद
१२. प्रसाद और स्कन्द गुप्त : आचार्य दुर्गाशंकर मिश्र – प्रकाशन केन्द्र, लखनउ
१३. हिन्दी साहित्य का प्रवृति पर के इतिहास : डॉ. समापति मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१४. तीर्थोदक : डॉ. गिरिश त्रिवेदी : अभिनन्दन ग्रंथ – वासुकि प्रकाशन, राजकोट
१५. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबु गुलाबराय लक्ष्मी नारायण – अग्रवाल प्रकाशन, आगरा

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	२१								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	मध्यकालीन हिन्दी काव्य भाग १ : कबीर, मीरांबाई की पदावली								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२१	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- पाठ्यक्रम संबंधित छात्र मध्यकालीन निर्गुण भक्त साधकों का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण औपनिषदिक चिन्तन की परम्परा में कबीर का स्थान निर्धारित करें ।
- छात्रगण कबीर के शास्त्र–निष्ठ आध्यात्म चिन्तन को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण भारतीय भक्ति परम्परा में मीरां के स्थान को जानें ।
- छात्रगण मीरांबाई के जीवनवृत को विस्तार से समझें ।
- छात्रगण मीरांबाई के पदों की प्रासंगिकता को जानें ।
- छात्रगण कबीर के सामाजिक चेतना संबंधी विद्रोही तेवर को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण मीरांबाई के पदों की दार्शनिकता, कृष्णप्रेम की सात्विकता, अभिव्यक्ति एवं भक्तिभावना को जानें ।
- छात्रगण निर्गुण एवं सगुण भक्तों की तुलना करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	निर्गुणभक्ति आन्दोलन और संत साहित्य	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		कबीर युगीन समाज और संस्कृति				
		कबीर का जीवनवृत				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'कबीर वाणी' का मूल्यांकन				
		मध्यकालीन धर्म–साधना और कबीर				
		कबीर की भक्ति भावना				
	ईकाई–२	कबीर के दार्शनिक विचार				
		कबीर का समाज–दर्शन				
		कबीर समाज सुधारक के रूप में				
		'कबीर वाणी' में व्यक्त आधुनिक संदेश				
		ज्ञानाश्रयी भक्ति की विशेषताओं के आधार पर 'कबीर' का मूल्यांकन				
		'कबीर' का समसामयिक परवर्ती संतों पर प्रभाव				
	ईकाई–३	कृष्ण–भक्ति आन्दोलन और मीरांबाई				
		भक्तियुगीन समाज और संस्कृति				
		मीरां का जीवन वृत				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मीरांबाई पदावली' का मूल्यांकन				
	ईकाई–४	कृष्ण भक्ति परम्परा में मीरां का स्थान				
		मीरां की भक्ति भावना				
		मीरां के काव्य की दार्शनिकता				
		मीरां के काव्य में व्यक्त सामाजिक चेतना				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'कबीर' की प्रामाणिक कृतियाँ – 'कबीर' की छन्द-योजना – मीरां की प्रामाणिक कृति – मीरां की माधुर्य भक्ति – 'कबीर' का रहस्यवाद – कबीर का राम – मीरां की निर्गुण भक्ति – मीरां के माया सबंधी पद – 'कबीर' की भाषा – कबीर का कवि रूप – मीरां की नवधा भक्ति – मीरां की भाषा		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कबीर
संपादक : हरिहर प्रसाद
प्राप्ति स्थान : जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

पाठ्य पुस्तक : मीरांबाई पदावली
संपादक : सं. गयाप्रसाद शुक्ल
प्राप्ति स्थान : जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. मध्यकालीन हिन्दी भक्ति-साहित्य की प्रासंगिकता : डॉ. वी. एन. फिलिप – जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
२. मध्यकालीन भक्ति आंदोलन का सामाजिक विवेचन : डॉ. सुमन शर्मा – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
३. उत्तरी भारत की संत-परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी – भारती भण्डार, प्रयाग
४. संत-काव्य की सामाजिक प्रासंगिकता : डॉ. रवीन्द्रकुमार सिंह – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
५. कबीर की भक्ति-भावना : विलियम द्वायर – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. कबीर-चिन्तन : डॉ. ब्रजभूषण शर्मा – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
७. कबीर : जीवन और दर्शन – उर्वशी सूरती, लोकभारती प्रकाशन, नई सडक, दिल्ली
८. हमारे कवि और लेखक : डॉ. राजेश्वरप्रसाद चतुर्वेदी -श्री राकेश प्रकाशन केन्द्र, लखनउ
९. प्राचीन और मध्यकालीन हिन्दी काव्य : सं. डॉ. वीरेन्द्रनारायण सिंह – धुमिल प्रकाशन, अहमदाबाद
१०. अवगाहन : डॉ. गिरीश त्रिवेदी – प्रणव प्रकाशन, राजकोट
११. कबीर का काव्य और नाडी-तंत्र : डॉ. शैलेश के. मेहता – वासुकि प्रकाशन, राजकोट
१२. 'सारसार को गही रहै, थोथा देह उडाय': डॉ. शैलेश के. मेहता – बालाजी फ्रेण्ड्स ग्रुप, राजकोट
१३. मीरांबाई और उनकी पदावली : देशराजसिंह भाटी – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१४. श्रेय-साधक : कबीर : डॉ. रामनाथ शर्मा – महाराजा सायजीराव विश्वविद्यालय, बडौदा
१५. संत कबीर : डॉ. रामकुमार वर्मा – साहित्य भवन, प्रा.लि. इलाहाबाद
१६. मध्यकालीन भक्ति काव्य की धार्मिक पृष्ठभूमि : डॉ. रामनाथ शर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
१७. प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी-गुजराती काव्य विविध संदर्भ : डॉ. एस. पी. शर्मा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक
१८. मीरां बाई पदावली : परशुराम चतुर्वेदी – हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
१९. मध्ययुगीन हिन्दी कविता : डॉ. जी.भास्कर भैया – डॉ. माधवी एस. भंडारी, जगतभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२०. भक्ति काव्य की सामाजिक सांस्कृतिक चेतना : प्रेमशंकर – दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इन्डिया लि., दिल्ली
२१. मध्ययुगीन भक्ति काव्य के विचार-पक्ष का आलोचनात्मक अध्ययन : डॉ. शिवप्रसाद शुक्ल – आस्था प्रकाशन, भोपाल
२२. सूरदास और तुलसीदास का राम भक्ति काव्य : प्रा. विजय एम. सोजित्रा – पैराडाईज पब्लिशर्स, जयपुर
२३. साहित्य शोध-विमर्श : डॉ. मितल जे. भालोडिया, पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद
२४. प्राचीन एवं मध्यकालीन कवियों की रचनाओं का समीक्षात्मक अध्ययन : डॉ. कैलाश उपाध्याय – श्री निवास प्रकाशन, जयपुर
२५. साहित्यादर्श : डॉ. स्मिता सी. पटेल – उर्मिलमानस प्रकाशन, न्यु दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	२१ (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	मध्यकालीन हिन्दी काव्य भाग २ : विनय पत्रिका, पद्मावतीसार								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२१	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रगण रामभक्ति परम्परा को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण राम के आदर्शों को जानें ।
- छात्रगण सूफी (प्रेमाख्यान) परम्परा को जानें ।
- छात्रगण सूफी साहित्य सर्जकों की मसनवी शैली को जानें ।
- छात्रगत तुलसी के साहित्य सर्जन को जानें
- छात्रगण रामभक्ति एवं कृष्णभक्ति की तुलना करें ।
- छात्रगण सूफी साहित्य-साधनों को समझें ।
- छात्रगण मुस्लिम सर्जक जायसी के हिन्दु-दर्शन को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	तुलसीदास : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		तुलसी के युग की विभिन्न परिस्थितियाँ				
		'विनय पत्रिका' का वर्ण्य-विषय				
		'विनय पत्रिका' में व्यक्त विनय पद्धति				
		'विनय पत्रिका' में निरूपित तुलसी की दार्शनिकता				
	ईकाई-२	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'विनय पत्रिका' का मूल्यांकन				
		'विनय पत्रिका' का काव्यरूप				
		'विनय पत्रिका' में व्यक्त तुलसी की भक्तिभावना				
		गीत परम्परा में 'विनय पत्रिका' का स्थान				
		'विनय पत्रिका' में तुलसी की समन्वयात्मकता				
	ईकाई-३	जायसी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		प्रेमाख्यानक परम्परा में 'पद्मावत' का स्थान				
		'पद्मावत' का का कथानक				
		'पद्मावत' में इतिहास एवं कल्पना में समन्वय				
		'पद्मावत' का महाकाव्य के रूप में मूल्यांकन				
	ईकाई-४	'पद्मावत' की भारतीय संस्कृति				
		'पद्मावत' की प्रतिकात्मकता				
		'पद्मावत' का काव्य-सौंदर्य				
		'पद्मावत' के पात्रों का चरित्रांकन				
		'पद्मावत' में निरूपित नागमती-वियोग				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'विनय पत्रिका' के राम – 'पद्मावत' में सिंहलद्वीप वर्णन –'विनय पत्रिका' में रस–योजना – 'पद्मावत' की भाषा – 'विनय पत्रिका' की अलंकार–योजना – 'पद्मावत' में अन्योक्ति अथवा समासोक्ति – 'विनय पत्रिका' के शीर्षक की सार्थकता – 'पद्मावत' में प्रकृति चित्रण		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : विनय पत्रिका
संपादक : तुलसीदास
प्राप्ति स्थान : जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पाठ्य पुस्तक : पद्मावती सार
संपादक : सभापति मिश्र
प्राप्ति स्थान : जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. पद्मावत–सार : डॉ. सभापति मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. पद्मावत का काव्य सौंदर्य : प्रो. शिवसहाय पाठक – हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, मुम्बई
३. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली
४. तुलसी काव्य मीमांसा : उदयभानु सिंह – राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. दिल्ली
५. विनय पत्रिका : सं. लाला भगवादनदीन 'दीन', इलाहाबाद
६. तुलसीदास, भारतभूषण, 'सरोज' – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
७. विनय पत्रिका : श्री राजनाथ शर्मा – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
८. तुलसी : राममूर्ति त्रिपाठी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
९. रामचरितमानस में हास्य व्यंग्य – डॉ. आरती आर. राठौर
१०. रामचरितमानस और रामचन्द्रिका शिल्प विधान का तु. अ.: डॉ. गीता सिंह – विकास प्रकाशन
१२. रामचरितमानस के चरित्र–सृष्टि – योगेश दुबे – विकास प्रकाशन, कानपुर
१३. रामचरितमानस का शैली वैज्ञानिक अध्ययन – डॉ. आशुतोष मिश्र – विकास प्रकाशन
१४. रामचरितमानस युग सन्दर्भ में (भाग–१)– डॉ. रामप्यारी ध्रुवे – विकास प्रकाशन, कानपुर
१५. रामचरितमानस के चार संभाषण – प्रा. सो. माधुरी शिवाजीराव पाटील – अभय प्रकाशन, कानपुर
१६. रामचरितमानस और रामचंद्रिका : शिल्प विधान का तु. अ.– डॉ. गीता सिंह – अभय प्रकाशन, कानपुर
१७. रामचरितमानस में चरित्र–सृष्टि – डॉ. योगेश दुबे – अभय प्रकाशन, कानपुर
१८. रामचरितमानस : अयोध्या काण्ड – डॉ. योगेन्द्रप्रताप सिंह – लोकभारती प्रकाशनल इलाहाबाद
१९. रामचरितमानस में मानवेतर प्राण–सृष्टि के चित्रण का उद्देश्य–डॉ. रामानंद तोरणी बाल – विद्या प्रकाशन, कानपुर
२०. रामचरितमानस और कौशिक रामायण का तु.अ.– डॉ. मुकुन्द प्रभु – विद्या प्रकाशन
२१. रामचरितमानस में हास्य–व्यंग्य – डॉ. आरती आर. राठौर – विद्या प्रकाशन, कानपुर
२२. रामचरितमानस मानस का बोली भूगोल – डॉ. हेमलता नागपाल – विद्या प्रकाशन, कानपुर
२३. रामचरितमानस में सामाजिक जीवन – डॉ. स्टेल्लाम्मा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
२४. रामचरितमानस और रामचन्द्रिका : शिल्प विधान का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. गीता सिंह – विद्या प्रकाशन
२५. रामचरितमानस की सांस्कृतिक मीमांसा – डॉ. सोमनाथ शुक्ला – विद्या प्रकाशन, कानपुर
२६. रामचरितमानस में लोकतत्व – रश्मि श्रीवास्तव – अमन प्रकाशन, कानपुर
२७. विनय पत्रिका संक्षिप्त : सं. डॉ. गोपीनाथ तिवारी, कैलाश पुस्तक सदन, ग्वालियर, भोपाल
२८. तुलसीदास : सं. सुदर्शन चोपडा – हिन्दी पॉकेट बुक्स प्रा. लि., नई दिल्ली–३
२९. संक्षिप्त पद्मावत (जायसी) : सं. राजनाथ शर्मा – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
३०. जायसी : रामपूजन तिवारी – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
३१. जायसी काव्य : प्रतिभा और संरचना : डॉ. हरिहरप्रसाद गुप्त – भाषा–साहित्य संस्थान, इलाहाबाद
३२. उत्तरी भारत की संत–परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी – भारती भण्डार, प्रयाग
३३. संत–काव्य की सामाजिक प्रासंगिकता : डॉ. रवीन्द्रकुमार सिंह – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
३४. कबीर : जीवन और दर्शन – उर्वशी सूरती, लोकभारती प्रकाशन, नई सडक, दिल्ली
३५. जायसी ग्रंथावली सटीक : डॉ. श्रीनिवास शर्मा – अशोक प्रकाशन, नई सडक, दिल्ली
३६. प्राचीन और मध्यकालीन हिन्दी काव्य : सं. डॉ. वीरेन्द्रनारायण सिंह – धुमिल प्रकाशन, अहमदाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	२२								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी अन्य गद्य विधाएँ : पथ के साथी, स्मृति की रेखाएँ								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२२	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- पाठ्यक्रम संबंधित छात्र रेखा-चित्र के स्वरूप को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण महादेवी वर्मा के अन्य साहित्य सर्जकों के संपर्क को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण पाठ्यक्रम से संबंधित रेखाचित्रों द्वारा मानवीय संवेदना को समझे
- छात्रगण संस्मरण के इतिहास को सविस्तार से जानें ।
- पाठ्यक्रम संबंधित छात्र प्रस्तुत रचनाकारों के दुर्लभ व्यक्तित्व से परिचित होंगे ।
- छात्रगण रेखाचित्र एवं संस्मरण का भेद समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	महादेवी वर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी रेखाचित्र : परम्परा एवं विकास				
		'सुभद्राकुमारी चौहाण' में व्यक्त महादेवी की भावनाएँ				
	ईकाई-२	'पथ के साथी' में पठित संस्मरणों के आधार पर 'पथ के साथी ' संस्मरण का समग्रलक्षी मूल्यांकन				
		'निराला' में व्यक्त उनकी उदारता, दानवृति एवं अतिथि प्रेम				
		'प्रसाद' में व्यक्त प्रसाद का व्यक्तित्व				
		'पंत' में व्यक्त पंत की चारित्रिक विशेषताएँ				
	ईकाई-३	'पथ के साथी' में व्यक्त रचनाकारों की सृजनात्मकता				
		'भक्तिन' में व्यक्त लछमिन का चरित्रांकन				
		'चीनी फेरीवाला' का भावार्थ				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मुन्नू की माई' का मूल्यांकन				
	ईकाई-४	कलावास से भावुक मानव 'ठकुरी बाबा' का मूल्यांकन				
		'स्मृति की रेखाएँ' में व्यक्त मानवीय संवेदना				
		'स्मृति की रेखाएँ' में पठित रेखाचित्रों के आधार पर 'स्मृति की रेखाएँ' का समग्रलक्षी मूल्यांकन				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – सुभद्राकुमारी चौहाण का विद्रोही व्यक्तित्व – 'निराला' में भाई–बहन संबंध – प्रसाद का जीवन संघर्ष – 'पंत' में व्यक्त मानवीय संबंध – ' चीनी फेरीवाला' में भाई–बहन संबंध – 'भक्तिन' शीर्षक की सार्थकता – 'गूंगिया' का उद्देश्य		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : पथ के साथी, स्मृति की रेखाएँ
लेखिका : महादेवी वर्मा
प्राप्ति स्थान : राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
२. हिन्दी वाङमय बीसवीं शतीं : सं. डॉ. नगेन्द्र – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशींग हाउस, नई दिल्ली
४. साहित्य विचन : क्षेमचन्द्र 'सुमन' : योगेन्द्रकुमार मल्लिक – आत्मराम एण्ड सन्स, दिल्ली
५. काव्य के रूप : गुलाबराय – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
६. हिन्दी गद्य के विविध साहित्य रूपों का उद्‌भव और विकास : डॉ. बलवन्त लक्ष्मण कोतमिरे – किताब महल, दिल्ली
७. गद्य के नए आयाम : ओमप्रकाश सिंहल – पीताम्बर पब्लिशिंग कंपनी, नयी दिल्ली
८. पथ के साथी की रेखाएँ : डॉ. हरिश 'हरि' – रीगल बुक डिपो, दिल्ली
९. साहित्यालोचन : कृष्णदेव शर्मा –विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
१०. साहित्यालोचन : प्रो. भारतभूषण 'सरोज' – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
११. संस्मरण : महादेवी वर्मा – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
१२. महादेवी वर्मा (चिन्तन और कला) : सं. इन्द्रनाथ मदान – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
१३. आधुनिकता और सर्जनशीलता : रधुवंश – दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इन्डिया लि. दिल्ली
१४. आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि महादेवी वर्मा : गंगाप्रसाद पांडेय – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	२२ (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	भारतीय संविधान : राजनीति एवं कानून								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२२	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण भारतीय राजनीति एवं शासन को विस्तार से समझे ।
- पाठ्क्रयम से संबंति छात्र अपने नागरिक अधिकारों को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण न्यायिक प्रणाली को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण भारतीय लोक-तांत्रिक प्रणाली की महत्ता को जानें ।
- छात्रगण भारतीय संविधान का स्वरूप जानें ।
- छात्रगण राज्य सरकारों की स्वायत्तता को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	भारतीय संविधान	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		भारतीय राजनीति				
		भारतीय अर्थनीति				
		भातीय संघ में राज्य पुनर्गठन नीति				
	ईकाई-२	भारतीय विदेशनीति				
		स्त्री उत्कर्ष कानून				
		मानवाधिकार एवं बालशोषण				
		राष्ट्रपति की शक्तियाँ एवं कार्य				
	ईकाई-३	आरक्षण				
		आतंकवाद				
		राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रभाषा का महत्व				
		राज्यपाल की नियुक्ति, शक्तियाँ एवं कार्य				
	ईकाई-४	राष्ट्रध्वज एवं राष्ट्रगीत का इतिहास				
		राष्ट्रीय मुद्रा का इतिहास एवं परिचय				
		अन्य राष्ट्रीय प्रतीक				
		पंचायतों की शक्तियाँ, कार्य और उत्तरदायित्व				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय दलों का वर्गीकरण – साम्प्रदायिक – भारत में किसान, मजदूर एवं जनजातीय आन्दोलन – अंग्रेजी शासन व्यवस्था – राजनीति और मतदान व्यवहार – चम्पारण आन्दोलन, खेडा आन्दोलन – भारत की पर्यावरण नीतियाँ – पंचायती राज की समस्या और संभावनाएँ		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि : डॉ. विनयकुमार पाठक – प्रयास प्रकाशन, बिलासपुर
२. संस्कृति के चार अध्याय : रामधारीसिंह 'दीनकर' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
३. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ. जयकिशनप्रसाद खण्डेलवाल – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
४. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ – डॉ. शिवकुमार शर्मा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
५. भारतीय संस्कृति–कोश : लीलाधर शर्मा 'पर्वतीय' – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
६. हिन्दी और गुजराती कविता में राष्ट्रीयता अस्मिता : एक तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. एस. पी. शर्मा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक
७. प्रगतिवादी काव्य–साहित्य : डॉ. कृष्णलाल 'हंस' – मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
८. आर्थिक एवं विदेश नीति : सरदार पटेल : प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
९. गठबंधन की राजनीति : अटलबिहारी वाजपेयी – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. पाकिस्तान–बांग्लादेश : आतंकवाद के पोषक : अरूण शौरी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
११. भारतीय विदेश नीति : जे. एन. दीक्षित – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
१२. संघ, राजनीति और मीडिया : देवेन्द्र स्वरूप – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
१३. भारत का संविधान : अनिलकुमार 'सलिल' : प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
१४. तिरंगे की गौरव गाथा : ले. कमांडर के. वी. सिंह – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
१५. भारतीय शासन और राजनीति : सं. बासुकीनाथ चौधरी, युवराज कुमार – ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्रा. लि., नई दिल्ली
१६. शैक्षणिक महिलाएँ एवं पंचायती राज : डॉ. स्मिता सी. पटेल – रावत प्रकाशन, नई दिल्ली